2nd International Tiger Forum

Differing attitudes and beliefs regarding the relationship of humankind to other creatures has been a topic of interest for civilizations. India, the land of eastern religions of Hinduism, Jainism and Buddhism, strongly lays emphasis on non injury to animals. The doctrine of non-violence or non-killing is taken from these eastern philosophies. In Sanatan Dharma, animals are carriers of gods and goddesses and hence considered integral part of human lifestyle. Tiger, is the carrier of Goddess Durga, the source of unlimited power and abundance.

The Government of India took a pioneering initiative for conserving its national animal, the tiger, by launching the "Project Tiger" in 1973. "Project Tiger", now ongoing as a Centrally Sponsored Scheme (CSS) of Ministry of Environment, Forest & Climate Change, Government of India, was launched in 09 tiger reserves of different States (Assam, Bihar, Karnataka, Madhya Pradesh, Maharashtra, Odisha, Rajasthan, Uttar Pradesh and West Bengal) over an area of approximately 14,000 km^2. Since then, the project coverage has expanded considerably to 52 tiger reserves (TR), encompassing an area of around 74,725.07 km^2 in 18 tiger States with 41,022.9 km^2 of notified core/ critical tiger habitats and 33,602.12 km^2 of buffer / peripheral areas in 18 tiger states.

Due to ongoing conservation efforts under the Project Tiger in designated tiger reserves, India supports almost 70% of wild tigers amongst the 13 tiger range countries in the world. Project Tiger has put the endangered tiger on an assured path of recovery, as revealed in the country level assessment of tiger, co- predators, prey and habitat.

In November, 2010, the Russian Federation had organized an International Forum on issues related to preservation of tiger in St Petersburg. The forum had adopted a declaration of the Heads of Governments on Tiger Conservation and the Global Tiger Recovery Program. One of the important decisions taken in the Forum was doubling of tiger population in the natural habitat of tiger by 2022.

It is heartening to note that India has achieved the goal of doubling the tigers well ahead of the schedule and India is one of the leading Tiger Range Countries in the world in tiger conservation.

As per the agreement reached in 2010 in St Petersburg, 2nd International Tiger Forum is being held. This 2nd International Forum has the main objectives of reviewing the results of Global Program and determine new priorities for further joint work of interested parties. The 2nd International Tiger Forum is an important international event in creating awareness in stakeholders and India's achievement of doubling of tiger numbers.

To commemorate the 2nd International Forum, the Russian Federation is issuing a postage stamp dedicated to this event. India being the global leader in tiger conservation is reciprocating the gesture by releasing a Commemorative Postage Stamp to celebrate this important global event.

The Commemorative Postage Stamp also pays tribute to 'Collarwali' the famous tigress of Pench Tiger Reserve, Madhya Pradesh, which passed away in January, 2022. This Super MOM, tigress had given birth to 29 tiger cubs in her life time and an astonishing 25 cubs had survived into adulthood.

Department of Posts is pleased to issue a Commemorative Postage Stamp on 2nd International Tiger Forum and hails the contribution of India and global community to save Tiger and its ecosystem.

Credits:

Stamp/FDC/Brochure/	:	Shri Brahm Prakash
Cancellation Cachet	:	Smt. Nenu Gupta
Text	:	Referenced from the contents provided by the proponent.

द्वितीय अंतरराष्ट्रीय बाघ फोरम

मानव जाति के अन्य जीवों के साथ संबंध के बारे में अलग–अलग दृष्टिकोण तथा आस्थाएं सभ्यताओं के लिए रुचि का विषय रहा है। हिन्दू, जैन और बौद्ध जैसे प्राच्य धर्मों की धरा भारत में पशुओं के प्रति अहिंसा पर बल दिया जाता रहा है। अहिंसा अथवा जीव हत्या नहीं करने की नीति इन्हीं प्राच्य दर्शनशास्त्रों की धरा से उपजी है। सनातन धर्म में पशुओं को देवी–देवताओं का वाहक माना गया है और इसलिए इन्हें मानव जीवनशैली का अभिन्न अंग माना जाता है। उदाहरण के तौर पर बाघ, देवी दुर्गा का वाहक है, जो असीमित शक्ति और वैभव का प्रतीक है।

भारत के राष्ट्रीय पशु, बाघ के संरक्षण के दृष्टिकोण से भारत सरकार ने 1973 में अग्रगामी पहल करते हुए "प्रोजेक्ट टाइगर" नामक परियोजना की शुरुआत की। वर्तमान में, "प्रोजेक्ट टाइगर" परियोजना को केंद्र प्रायोजित स्कीम के तौर पर पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा चलाया जा रहा है। इस परियोजना की शुरुआत विभिन्न राज्यों (असम, बिहार, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल) में लगभग 14,000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैले 09 बाघ अभयारण्यों से की गई। इस परियोजना का अब व्यापक विस्तार हो चुका है और इसके दायरे में अब 52 बाघ अभयारण्य हैं, जिनके अंतर्गत 18 टाइगर राज्यों का लगभग 74,725.07 वर्ग किलोमीटर का क्षेत्र शामिल है। इसमें से, 41,002.9 वर्ग किलोमीटर का क्षेत्र अधिसूचित मुख्य भाग/महत्वपूर्ण बाघ पर्यावास और 33,602.12 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र बफर/परिधीय क्षेत्र है।

चुनिंदा बाघ अभयारण्यों में "प्रोजेक्ट टाइगर" के तहत किए गए संरक्षण प्रयासों की बदौलत, विश्व के 13 बाघ रेंज देशों में से एक भारत, लगभग 70% जंगली बाघों को संरक्षित पर्यावास प्रदान करता है। बाघ, सह–शिकारी, शिकार और पर्यावास के मापदंडों पर आधारित देश–स्तरीय आकलन से सिद्ध होता है कि "प्रोजेक्ट टाइगर" ने बाघ को विलुप्तप्राय प्रजाति की श्रेणी से बाहर आने का सुनिश्चित रास्ता प्रदान किया है।

नवम्बर 2010 में, रूसी फेडरेशन द्वारा बाघों के संरक्षण संबंधी मुद्दों पर सेंट पीटर्सबर्ग में एक अंतरराष्ट्रीय फोरम का आयोजन किया गया। इस फोरम ने बाघ संरक्षण और वैश्विक बाघ रिकवरी कार्यक्रम के विषय में, शासनाध्यक्षों के एक घोषणा–पत्र को अंगीकार किया। इस फोरम में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णयों में से एक यह था कि वर्ष 2022 तक बाघों के प्राकृतिक पर्यावासीय क्षेत्रों में बाघों की आबादी को दुगना किया जाएगा।

यह हर्ष का विषय है कि भारत ने बाघों की संख्या को दुगना करने के लक्ष्य को निर्धारित समय से काफी पहले ही प्राप्त कर लिया है और बाघ संरक्षण क्षेत्र में भारत, विश्व के अग्रणी बाघ रेंज देशों में से एक है।

2010 में सेंट पीटर्सबर्ग में हुए समझौते के अनुसार, द्वितीय अंतरराष्ट्रीय बाघ फोरम का आयोजन हो रहा है। इस द्वितीय अंतरराष्ट्रीय फोरम का मुख्य उद्देश्य, वैश्विक कार्यक्रम के परिणामों की समीक्षा करना और इच्छुक पक्षकारों के आगामी साझा कार्यक्रम के लिए नई प्राथमिकताओं का निर्धारण करना है। द्वितीय अंतरराष्ट्रीय बाघ फोरम, हितधारकों में जागरूकता पैदा करने और भारत की बाघों की संख्या दुगनी होने की उपलब्धि के महत्व को रेखांकित करने का अहम अंतरराष्ट्रीय अवसर है।

द्वितीय अंतरराष्ट्रीय फोरम की यादगार के तौर पर रूसी संघ इस अवसर पर एक डाक–टिकट जारी कर रहा है। बाघ संरक्षण के क्षेत्र में विश्व का अग्रणी देश होने के नाते भारत भी इस महत्वपूर्ण वैश्विक आयोजन के अवसर पर एक स्मारक डाक–टिकट जारी कर रहा है।

यह स्मारक डाक–टिकट, पेंच टाइगर रिजर्व, मध्य प्रदेश की प्रसिद्ध बाघिन 'कॉलरवाली' के प्रति श्रद्धांजलि भी है, जिसकी जनवरी, 2022 में मृत्यु हो गई थी। सुपर मॉम कही जाने वाली इस बाघिन ने अपने जीवनकाल में 29 बाघ शावकों को जन्म दिया और आश्चर्यजनक रूप से इनमें से 25 शावक ऐसे थे, जिन्होंने स्वस्थ वयस्क जीवन भी व्यतीत किया।

डाक विभाग, द्वितीय अंतरराष्ट्रीय बाघ फोरम पर स्मारक डाक–टिकट जारी करते हुए प्रसन्नता का अनुभव करता है और बाघ तथा इसके पारिस्थितिकी तंत्र को बचाने की दिशा में भारत एवं वैश्विक समुदाय के योगदान की सराहना करता है।

आभार :

डाक–टिकट/प्रथम दिवस आवरण/विवरणिका : श्री ब्रह्म प्रकाश

विरूपण कैशे : श्रीमती नीनू गुप्ता

पाठ : प्रस्तावक द्वारा प्रदान की गई सामग्री से संदर्भित।

तकनीकी आंकड़े

TECHNICAL DATA

मूल्यवर्ग	: 500 पैसे
Denomination	: 500 p
मुद्रित डाक–टिकटें	: 301875
Stamps Printed	: 301875
मुद्रण प्रक्रिया	: वेट ऑफसेट
Printing Process	: Wet Offset
मुद्रक	: प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद
Printer	: Security Printing Press, Hyderabad

The philatelic items are available for sale at Philately Bureaus across India and online at http://www.epostoffice.gov.in/PHILATELY_3D.html

मूल्य ₹ 5.00